

## 2022年2月20日 聖日礼拝

インターネットの礼拝映像配信は9時より。11時からは録画を視聴できます。

|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   |   |   |   |   |    |   |    |
|---|---|---|---|---|---|---|----|---|---|---|---|---|---|----|---|----|
| 後 | 報 | 祝 | 頌 | 献 | 会 | 説 | 聖  | 使 | 礼 | 交 | 主 | 会 | 会 | 招  | 前 | 2  |
| 奏 | 告 | 禱 | 栄 | 金 | 衆 | 教 | 書  | 徒 | 拝 | 読 | の | 衆 | 衆 | 詞  | 奏 | 月  |
| 感 |   |   | 聖 | 聖 | 賛 | レ | 創  | 信 | 祈 | 詩 | 祈 | 賛 | 賛 | 詩  |   | 20 |
| 謝 |   |   | 歌 | 歌 | 美 | ア | 世  | 条 | 禱 | 篇 | り | 美 | 美 | 篇  |   | 日  |
| 祈 |   |   | 3 | 4 |   | の | 記  |   |   | 1 |   |   |   | 46 |   | 聖  |
| 禱 |   |   | 7 | 8 |   | 出 | 29 |   |   | 2 |   |   |   | 章  |   | 日  |
|   |   |   | 6 | 8 |   | 産 | 章  |   |   | 7 |   |   |   | 10 |   | 礼  |
|   |   |   |   |   |   |   | 31 |   |   | 篇 |   |   |   | 節  |   | 拝  |
|   |   |   |   |   |   |   | 35 |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   | 節  |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 篇 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 1 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 2 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   | 7 |   |   |   |    |   |    |
|   |   |   |   |   |   |   |    |   |   |   |   |   |   |    |   |    |

■主の祈り 天にましますわれらの父よ。ねがわくは 御名をあげめさせたまえ。御国をきたらせたまえ。御心の天になるごとく、地にもなさせたまえ。われらの日用の糧を今日もあたえたまえ。われらに罪をおかすものを われらが 赦すごとく、われらの罪をも赦したまえ。われらを ころみにあわせず 悪より救いいだしたまえ。国と力と栄えとは かぎりなく なんじのものなればなり。アーメン

■交読 詩篇 127 篇 1～5 節

- 1 主が家を建てるのでなければ  
建てる者の働きはむなし。  
主が町を守るのでなければ  
守る者の見張りはむなし。
- 2 あなたがたが早く起き 遅く休み  
労苦の糧（かて）を食べたとしても それはむなし。  
実に 主は愛する者に眠りを与えてくださる。
- 3 見よ 子どもたちは主の賜物  
胎（たい）の実は報酬。
- 4 若いときの子どもたちは  
実に 勇士の手にある矢のようだ。
- 5 幸いなことよ 矢筒（やづつ）をその矢で満たしている人は。  
彼らは門で敵と論じるとき 恥（はじ）を見ることがない。

■使徒信条 われは天地のつくりぬし、全能の父なる神を信ず。われはそのひとりご、われらの主、イエス・キリストを信ず。主は聖霊によりてやどり、おとめマリヤよりうまれ、ポンテオ・ピラトのもとにくるしみをうけ、十字架につけられ、死にてほうむられ、よみにくだり、三日目に死人のうちよりよみがえり、天にのぼり、全能の父なる神の右に座したまえり。かしこよりきたりて 生けるものと死にたるものとを さばきたまわん。われは聖霊を信ず。聖なる公同の教会、聖徒のまじわり、罪のゆるし、からだのよみがえり、とこしえのいのちを信ず。アーメン

## ■聖書朗読 創世記 29章31～35節

- 31 主はレアが嫌われているのを見て、彼女の胎を開かれたが、ラケルは不妊の女であった。
- 32 レアは身ごもって男の子を産み、その子をルベンと名づけた。彼女が、「主は私の悩みをご覧になった。今こそ夫は私を愛するでしょう」と言ったからである。
- 33 彼女は再び身ごもって男の子を産み、「主は私が嫌われているのを聞いて、この子も私に授けてくださった」と言って、その子をシメオンと名づけた。
- 34 彼女はまた身ごもって男の子を産み、「今度こそ、夫は私に結びつくでしょう。私が彼に三人の子を産んだのだから」と言った。それゆえ、その子の名はレビと呼ばれた。
- 35 彼女はさらに身ごもって男の子を産み、「今度は、私は主をほめたたえます」と言った。それゆえ、彼女はその子をユダと名づけた。その後、彼女は子を産まなくなった。

## ■聖歌488「神のたもう安けさは」(1, 3節)

- ①神のたもう安けさは 川のごとく 流れ来て  
この心を うちひたし 世にあること 忘れしむ

※主の手にある魂を 揺り動かすものあらじ

- ③主は まことに ましませば み約束に たがいなし  
主の恵みのふるまいに わが心は満ち足りぬ

## ■頌栄 聖歌376「父 御子 御霊の」

父 御子 みたまの おおみかみに とこしえかわらず  
御栄えあれ 御栄えあれ アーメン

## 【自宅での礼拝の手引き】

- ・ 招詞 招詞を読みます
- ・ 賛美 歌います
- ・ 主の祈り 主の祈りを祈ります
- ・ 交読 交読箇所を読みます
- ・ 礼拝祈祷 次の言葉を祈りましょう  
「天の父なる神様。今、あなたの御前で礼拝をささげられることを感謝します。兄弟姉妹と場所は異なりますが、心を一つにして礼拝をささげます。主の臨在を、今、ここに現してください。私たちの救い主、イエス・キリストの御名によって祈ります。アーメン」
- ・ 使徒信条 使徒信条を告白します
- ・ 聖書朗読 聖書朗読箇所を読みます
- ・ 説教 聖書朗読箇所を思い巡らしましょう
- ・ 賛美 歌います
- ・ 献金 主から受けたものの中で私がささげられるものや分かち合えるものは何か思い巡らしましょう。それをささげながら歩めるように主の助けを祈りましょう。
- ・ 頌栄 頌栄をささげます
- ・ 祝祷 心の中で祝祷を読み、最後に「アーメン」と告白しましょう  
「願わくば 主イエス・キリストの恵み 父なる神の愛 聖霊の親しい交わりが教会員一同の上に とこしえにありますように アーメン」